F.No.- CSU-LKO/2021-2022/ Dir/
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर,
विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ
☎ 0522.2393748, Email- ksvvlucknowcampus@gmail.com
Website: - http:// www.csu-lucknow.edu.in

दिनांक - 18.04.2022

सूचना - 05

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि उत्कर्ष दिवस के उपलक्ष्य में **दिनांक 13 मई 2022** को क्विज प्रतियोगिता होनी है, क्विज प्रतियोगिता का विषय- **"हिन्दी-संस्कृत-शब्दकोश"** होगा। प्रतियोगिता के पाठ्यक्रम को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर के वेबसाइट- **Website: - http:// www.csu-lucknow.edu.in** से डाउनलोड किया जा सकता है। **क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता को ₹1000 एवं प्रमाणपत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त कर्ता को ₹ 700 एवं प्रमाणपत्र तथा तृतीय स्थान प्राप्त कर्ता को ₹ 500 एवं प्रमाणपत्र** प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्रायें दिनांक 19 अप्रैल 2022 से 12 मई 2022 तक अधोलिखित अध्यापकों को अपना नाम, कक्षा, मो.नं. विषय सादे कागज पर लिखकरके विभागाध्यक्ष से हस्ताक्षर कराकरके जमा कर सकते हैं।

वेद विभाग	- डॉ. धर्मेन्द्र कुमार पाठक
ज्योतिष विभाग	- डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल
साहित्य विभाग	- डॉ. नीरज तिवारी
बौद्धदर्शन विभाग	- डॉ. कृष्णा नेगी
व्याकरण विभाग	- डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल
शिक्षाशास्त्र विभाग	- डॉ. गणेशशंकर विद्यार्थी

(प्रो. सर्वनारायण झा)
निदेशक

संलग्नक- हिन्दी-संस्कृत-शब्दकोष

प्रतिलिपि:-

1. वेबसाइड पर अपलोड
2. सूचना संचिका
3. सभी विभागाध्यक्षों एवं प्राध्यापकों को सूचनार्थ
4. संबंधित संचिका
5. अतिरिक्त प्रति
6. संयोजक - डा. नीरज तिवारी को सूचनार्थ

निदेशक

हिन्दी-संस्कृत शब्दकोष

अ

अंगीठी – हसन्ती (स्त्री0)

अंगूठी- अङ्गुलीयकम्

अंगूठी,नामांकित-मुद्रिका

अंगूर-द्राक्षा,मृद्वीका

अंजीर – अञ्जीरम्

अखरोट – अक्षोटम्

अग्नि - कृशानुः(पुं0), जातवेदस् (पुं0)

अचार – सन्धितम्

अच्छा लगना – रुच् (1 आ0), स्वद् (1 आ0)

अच्छा है...न कि – वरं ....न (अ0)

अटारी – अट्टः

अण्डर-वीयर(जांघिया)-अर्धोरुकम्

अतिथि – प्राधुणः, अतिथिः, अभ्यागतः

अदरक – आर्द्रकम्

अदल-बदल- विनिमयः

अतिथि-सत्कर्ता – आतिथेयः

अधिकार होना – प्र +भू (1 प0)

अधीन – आयत्तः(वि0)

अध्यापक – अध्यापकः, उपाध्यायः

अनर्थ – अन्नह्मण्यम्

अनार – दाडिमम्

अनुभव करना – अनु +भू (1 प0)

अनुसन्धान करना – अनु + सं + धा (3 उ0)

अन्दर – अन्तः(अ0), अन्तरे (अ 0)

अन्न, -अन्नम्

अन्न, खेत में – शस्यम्

अपनाना – स्वी + कृ (8 उ 0)

अपमान करना – अव +ज्ञा (९ उ 0)

अप्राप्ति – अनुपलब्धिः (स्त्री0)

अफवाह – लोकापवादः , वार्ता

अभिनय करना – अभि + नी (1 उ 0)

अभ्रक – अभ्रकम्

अमचूर – आम्रचूर्णम्

अमरूद – आम्रलम् , द्रढबीजम् , अमृतफलम्

अमावट – आम्रतकम्

अमृत – पीयूषम् , सुधा

अरहर – आढकी (स्त्री0)

अर्गला – अर्गलम्

अलग होना – वि + युज् (4 आ 0)

अलमारी – काष्टमञ्जूषा

अवश्य – ननु, नूनम्, न .... न(अ0)

असमर्थ – अक्षमः (वि0)

असेम्बली हॉल – आस्थानम्

आ

आँख – चक्षुष् (न0), नेत्रम्, लोचनम्

आँगन – अजिरम् , अङ्गनम्, प्राङ्गणम्

आँत – अन्त्रम्

आँधी – प्रवातः

आँवड़ा – आम्रातकम्

आँवला – आमलकी (स्त्री0)

आँसू – अश्रु (न0), अस्रम्

आक – अर्कः

आकाश – व्योमन् (न0), वियत् (न0)

आग – हुतवहः, कृशानुः (पुं0), वह्निः

आगन्तुक – आगन्तुः(पुं0), आगन्तुकः

आगे – अग्रे (अ0), ततः (अ0)

आग्रह - विर्बन्धः

आजकल – अद्यत्वे (अ0)

आज्ञा – शासनम्, नियोगः, आदेशः

आज्ञा देना – अनु + ज्ञा (९ उ0)

आटा – चूर्णम्

आटे का हलुआ – यवागूः (स्त्री 0)

आड़ – आर्द्रालुः (पुं0)

आढ़त – अभिकरणम्

आढ़ती – अभिकर्तृ (पुं 0)

आदर पाना – आ + द्द (6 आ 0)

आधी रात – निशीथः

आना – आगम् (1 प 0), अभ्यागम् (1 प 0) आ + या (2 प 0)

आ पड़ना – आ + पत् (2 प0)

आपत्तिग्रस्त – आपन्नः (वि0)

आबनूस – तमालः

आभूषण – आभरणम् , आभूषणम्

आम का वृक्ष – रसालः, सहकारः, आम्रः

आम का फल – आम्रम्

आम, कलमी – राजाम्रम्

आमदनी – आयः आयमध्ये (सप्तमी)

आम रास्ता – जनमार्गः, जनपथः

आयरन (लोहा) – अयस् (न0)

आयात पर चुंगी – आयातशुल्कम्

आयु – आयुष् (न 0) , वयस् (न0)

आराम कुर्सी – सुखासन्दिका

आरी – करपत्रम्

आलस्य करना – तन्द्रय (णिच्)

आलू – आलुः (पुं0)

आलू की टिकिया – पक्कालुः (पुं0)

आलू बुखारा – आलुकम्

आशंका करना – आ + शङ्क् (1 आ 0)

आशा करना – आ + शंस् (1 आ0)

इ

इकट्ठा करना – सं + चि (५ उ 0), अर्ज् (1 0 उ 0)

इच्छुक – स्पृहयालुः (वि0), इच्छुकः

इत्र – गन्धतैलम्

इंक पेन्सिल, डॉट पेन – मसितूलिका

इन्कम टेक्स – आयकरः

इन्द्र – शतक्रतुः (पुं0),मघवन् (पुं0), वृत्रहन् (पुं0)

इन्द्र-धनुष – इन्द्रायुधम् , इन्द्रधनुः (न.)

इन्द्राणी – पौलोमी (स्त्री0), शची (स्त्री0)

इन्धन – इन्धनम्

इन्फ्लुएन्जा, फ्लु – शीतज्वरः

इमरती – अमृती (स्त्री0)

इमली – तिन्तिडीकम्

इम्पोर्ट – आयातः

इलायची – एला

इसलिए – अतः अतएव, ततः (अ0)

ई

ईट – इष्टका

ईट, पक्की – पक्वेष्टका

उ

उगलना – उद् + गृ (६ प0)

उगला हुआ – उद्गान्तम् (वि0)

उग्र – तीक्ष्णम्

उचित-अनुचित – सदसत् (न0)

उचित है – स्थाने (अ0)

उठना – उत्था (1 प0), उच्चर् (1 प0), उत् + नम् (1 प0)

उठाना – उन्नी (उद् + नी, 1 उ 0)

उड़द – माषः

उड़ना – उत्पत् (1 प 0) , उद्गम् (1 प 0)

उतरना – अव + तॄ (1 प 0)

उतार – अवरोहः

उत्कंठित – उत्कः, उत्कण्ठितः

उत्तर, दिशा – उदीची (स्त्री 0)

उत्तर की ओर – उदक् (उद् +अञ्च) (पुं0)

उत्तरायण – उत्तरायणम्

उत्तीर्ण होना – उत्तॄ (उद् + तॄ (1 प 0)

उत्थान-पतन – पातोत्पातः

उत्पन्न होना – सं + भू (1 प0)

उधार – ऋणम् , ऋणरूपेण (तृतीया)

उधार खाते – नाम्नि (नामन्, स0)

उपजाऊ – उर्वरा

उपभोग करना – उप + थुज् (7 आ0)

उपयोग – विनियोगः, उपयोगः

उपवास करना – उप + वस् (1 प 0)

उपेक्षा करना – उपेक्ष् (उप + ईक्ष्) 1 आ 0)

उबटन – उद्वर्तनम्

अबालना – क्वथ् (1 प 0)

उल्लंधन करना – उच्चर् (1 आ 0)

लङ्घ् (10 उ 0), अति + वृत् (1 आ0)

उल्लू – कौशिकः, उलूकः

उस्तरा – क्षुरम्

ऊ

ऊँचा – प्रांशुः (वि0)

ऊँट – क्रमेलकः, उष्ट्रः

ऊँखल – उलूखलम्

ऊनी – राङ्कवम्

ऊपर फेंकना – उत् + क्षिप् (6 उ 0)

ऊसर – ऊषरः

ए

एक एक करके – एकैकशः (अ0)

एक ओर से – एकतः (अ0)

एक प्रकार से – एकधा (अ0)

एक बात – एकवाक्यम्

एक राय वाले – एकमतिः (स्त्री0)

एक वेष – एकपरिधानम्

एकान्त में – रहसि (रहस् , स0)

एक्सपोर्ट – निर्यातः

एजुकेशन सेक्रेटरी – शिक्षासचिवः

एजेण्ट – अभिकर्ता (- कर्तृ, पुं0)

एजेन्सी – अभिकरणम्

एटम बम – परमाण्वस्त्रम्

एडिशनल डाइरेक्टर – अतिरिक्त शिक्षासंचालकः

एरंड – परण्डः

ओ

ओढ़नी – प्रच्छदपटः

ओवरकोट – बृहतिका

ओम् – उद्गीथः, प्रणवः, ओकारः

ओले – करकाः

क

कंगन – कङ्कणम्

कंघी – प्रसाधनी (स्त्री0)

कंठा – कण्ठाभरणम्

कंडाल – वारिधिः (पुं 0)

कंधा – स्कन्धः

कंधे की हड्डी – जत्रु (न0)

ककड़ी – कर्कटिका, कर्कटी (स्त्री0)

कक्षा का साथी – सतोर्थ्यः

कचालू – पक्कालुः (पुं0)

कचौड़ी – पिष्टिका

कछुआ – कच्छपः

कटहल का पेड़ – पनसः

कटहल का फल – पनसम्

कटा हुआ – लूनम् (वि0)

कटोरा – कटोरम्

कटोरी – कटोरा

कठफोड़ा – दार्वाधातः

कड़ा, सोने आदि का – कटकः

कड़ाह – कटाहः

कड़ाही – स्वेदनी (स्त्री0)

कदम्ब – नीपः

कद्दू – कूष्माण्डः

कनफूल - कर्णपूरः

कनेर – कर्णपूरः

कनेर – कणिंकारः

कप – चषकः

कबाबी – मांसाशिन् (पुं0)

कबूतर – पारावतः, कपोतः

कब्ज – अजीर्णः

कमर – श्रोणिः (स्त्री 0), कटिः (स्त्री 0)

कमरख – कर्मरक्षम्

कमरा – कक्षः

कमल, नीला – इन्दीवरम्, कुवलयम्

कमल, लाल – कोकनदम्

कमल,श्वेत- कुमुदम्, पुण्डरीकम्, कह्लारम्

कमीशन – शुल्कम्

कमीशन एजेण्ट – शुल्काजीवः

कम्बल – कम्बलः, कम्बलम्

करधन – मेखला

करना – वि + धा (3 उ 0) , चर् (1 प 0) अनु + ष्ठा (1 प 0)

करील – करीलः

करेला – कारवेल्लः

करौदा – करमर्दकः

कर्जा – ऋणम्

कर्जा देने वाला – उत्तमर्णः

कर्जा लेने वाला - अधमर्णः

कलई , पुताई की – सुधा

कलफ करना – मण्डा + कृ (8 उ 0)

कलमी आम- राजाम्रम्

कलश - कलशः

कलम – कलमः

कलाई – मणिबन्धः

कलाइ से कनी अंगुली तक – करथः

कलाकन्द – कलाकन्दः

कली – कलिका

कल्याण का इच्छुक – कल्याणाभिनिवेशिन् (वि0)

कवच – वर्मन् (न0)

कष्ट करना – आयासः

कसकूट – कास्यकूटः

कस्बा – नगरी (स्त्री0)

कहना – अभि + धा (3 उ 0) , भाष् (1 आ 0), उद् + ग्द् (6 प 0) , उद् + ईग (20उ 0)

कहाँ – क्व , कुत्र (अ0)

काँच – काचः

काँच का गिलास – काचकंसः

काँपना – कम्प् (1 आ 0) , वेप् (1 आ 0)

काँसा – कांस्यम्

कागज – कागदः

कागज की रीम – कागदरीमकः

काजल – कज्जलम्

काजू – काजवम्

काटना – कृत् (6 प 0) , छिद् (8 उ0) लू (९ उ 0)

कान – श्रोत्रम् , श्रवनम्, कर्णः

कान की बाली – कुण्डलम्

कानखजूरा – कर्णजलौका

कापी – संचिका

काफल – श्रीपणिंका

कॉफी – कफघ्नी (स्त्री0)

काम – कर्मन् (न0), कार्यम्

काम आना – उप + युज् (4 आ 0)

कामदेव – पुष्पधन्वन् (पुं0), मनसिजः

कार्टून – उपहासचित्रम्

कार्तिकेय – सेनानीः (पुं0)

कार्पोरेशन – निगमः

कालेज – महाविद्यालयः

कितने – कति (विः)

किनारा – वेला

किरण – मयूखः, गभस्तिः (पुं0) , दीधितिः (स्त्री0)

किवाड़ – कपाटम्

किवाड़ के पीछे का डंडा – अर्गलम्

किशमिश – शूष्कद्राक्षा

किसान – कृषीवलः, कीनाशः, कृषकः

कीचड़ – पङ्कः , कर्दमः

कील – कीलः

कुँदरु – कुन्दरुः (पुं0)

कुटिया – कुटी (स्त्री0), कुटीरः

कुतिया – सरमा, शुनी (स्त्री0)

कुत्ता – श्वन् (पुं0) , कौलेयकः, सारमेयः

कुदाल – खनित्रम्

कुन्द – कुन्दम्

कुप्पी – कुतूः (स्त्री0)

कुबड़ा – कुब्जः

कुबेर – कुबेरः, मनुष्यधर्मन् (पुं0)

कुमुद की लता – कुमुदिनी (स्त्री0)

कुम्हार – कुलालः, कुम्भकारः

कुर्ता – कञ्चुकः

कुर्सी – आसन्दिका

कुलपरम्परा – कुलक्रमम्

कुलफी – कुलपी (स्त्री0)

कुली – भारावाहः

कुलीन – अभिजनः, कुलीनः

कूटना – अवहननम् , ताडनम्

कूड़ा – अवकरः

कूदना – कुर्द् कुर्द्

कृपाण – कौक्षेयकः

केकड़ा –कुलीरः

केतली – कुन्दुः (पुं0, स्त्री0)

केबिनेट – मन्त्रिपरिषद् (स्त्री0)

केन्सर – विद्रधिः (पुं0), विषप्रणम्

केला – कदलीफलम्

केवड़ा – केतकी (स्त्री0)

कैची – कर्तरी (स्त्री0)

कै – वमथः (पुं0)

कोंपल –किसलयम्

कोट – प्रावारः

कोतवाल – कोटपालः

कोतवाली – कोटपालिका

कोमल स्वर – मन्द्रस्वरः

कोयल – परभृतः, कोकिलः

कोल्हू – रसयत्रम्

कोहनी – कफोणिः (स्त्री0)

कौवा – ध्वाङ्क्षः, वायसः, काकः

क्या – किम्, किनु, ननु (अ0)

क्या लाभ – किम्, को लाभः, कि प्रयोजनम्

क्योंकि – यती हि, खलु (अ0)

क्रीडा करना – क्रीड् (1 प 0) रम् (1 आ 0)

क्रीम – शरः

क्रोध करना – क्रुध् (4 प 0) , कुप् (4 प 0)

क्रोधी – अमर्षणः

कलर्क – करणिकः, लिपिकारः

क्षत्रिय – क्षत्रियः, द्विजातिः, द्विजन्मन् (पुं0)

क्षमा करना – मृष् (10 उ 0) , क्षम् (1 आ 0 , 4 प 0)

ख

खंजन – खञ्जनः

खजूर – खर्जूरम्

खड्ग – खड्गः, निर्स्त्रिंशः

खपड़ा – खर्परः

खपड़ैल का – खर्परावृतम् (वि0)

खम्बा – स्तम्भः

खरबूजा – खर्बुजम्

खरीद – क्रयः

खरीदना – पण् (1 आ 0) , क्री (९ उ 0)

खर्च करना – विनियोगः, व्ययः

खलिहान – खलम्

खस्ता पूरी – शष्कुली (स्त्री0)

खाँसी – कासः

खाजा – मधुशीर्षः

खाट – खट्वा

खाद – खाद्यम्

खान – खनिः (स्त्री0)

खाना – भक्ष (10 उ 0), खाद् (1 प 0), भुज् (7 आ 0)

खाया हुआ – जग्धम, भुक्तम्

खिचड़ी – कृशरः

खिड़ की – गवाक्षः, वातायनम्

खिन्न होना – सद् (1 प 0)

खिरनी – क्षीरिका

खींचना – कृष् (1 प 0)

खीर – पायसम्

खील – लाजाः (लाज, बहु 0)

खुमानी – क्षुमानी (स्त्री0)

खूँटी – नागदन्तकः

खून – रुधिरम् , असृज् (न0)

खेत – क्षेत्रम्

खेती – कृषिः (स्त्री0)

खेती के औजार – कृषियन्त्रम्

खेल का मैदान – क्रीडाक्षेत्रम्

खेर – खदिरः

खोजना – गवेष् (10 उ 0)

खोदना – टङ्क (10 उ 0) , खन् (1 उ 0)

खोवा – किलाटः

ग

गंडासा – तोमरः

गगरा – गर्गरः

गगरी – गर्गरी (स्त्री0)

गजक – गजकः

गञ्जा – खल्वाटः

गडरिया – अजाजीवः

गदा – गदा

गद्दा – तूलसंस्तरः

गधा – खरः, गर्दभः

गन्धक – गन्धकः

गम वूट – अनुपदीना

गरजना – स्तनितम्, गर्जनम्

गर्दन – ग्रीवा, कण्ठः

गर्मी (सूजाक) – उपदंशः

गला – कण्ठः, ग्रीवा

गली – वीथिका

गवेषणा करना – वो..... (10 उ 0)

गाँव – ग्रामः

गाजर – गृञ्जनम्

गाय – गो (स्त्री0), धेनुः (स्त्री0)

गाल – कपोलः

गाहक – ग्राहकः

गिद्ध – गृध्रः

गिनना – गण् (10 उ 0)

गिना हुआ – संस्यातम् (वि0)

गिरना – पत् (1 प 0) , निपत् (1 प 0) भ्रंश (1 आ 0)

गिरहकट – ग्रन्थिमेदकः

गिलास – कंसः, काजाकंसः

गिलोय – अमृतवल्लरी (स्त्री0)

गीदड़ – गोमायुः (पुं0)

गुझिया – संयावः

गुणगान करना – कत् (10 उ 0)

गुप्त – निभृतम् (वि0), गुप्तम्

गुप्ती (कटारी)- करवालिका

गुफा – गह्वरम् , गुहा

गुलदस्ता – स्तबकः, पुष्पगुच्छ

गुलाब – स्थलपद्मम्

गुस्सा करना – क्रुध (4 प 0) , कुप् (4 प 0)

गूगल – गुग्गुलः

गूलर – अदुम्बरम्

गेंद – कन्दुकः, गेन्दुकम्

गेंदा – गन्धपुष्पम्

गेलरी – वीथिका

गेहूँ – गोधूमः

गोबर – गोमयम्

गोभी – गोजिह्वा

गोली – गोलिका, गुलिका

गोह – गोधा

ग्रीष्म ऋतु – निदाघः, ग्रीष्मर्तुः (पुं0)

ग्लेशियर –हिमसरित् (स्त्री0), हिमापगा

घ

घंटा (समय)- होरा

घटना – (होना) –घट् (1 आ 0)

घटना (कम होना) – अप + चि (५ उ 0)

घटिया – अनु (अ0) , उप (अ0)

घड़ा – धटः, कुम्भः

घड़ी – धटिका

घर – सदनम्, गृहम्, भवनम्

घरेलू फर्नीचर – गृहोपस्करः

धाटी – अद्रिद्रोणी (स्त्री0)

घायल – आहतः (वि0)

घी – आज्यम्, सर्पिष् (न0)

घुँघरु – किंकिणी (स्त्री0)

घुघनी (आलू मटर) – कुल्माषः

घुटना – जानुः (पुं0 , न0)

घुड़सवार – सादिन् (पुं0), अश्वारोहिन् (पुं0)

घूँघट काढ़ना – अवगुण्ठय (णिच्)

घूमना – भ्रम् (4 प 0), पर् (1 प 0) , संचर् (1 प 0)

घेरा - वृतिः (स्त्री0)

घेवर (मिठाई) – घृतपूरः

घोंसला – कुलायः

घोड़ा – अश्वः, सप्तिः (पुं0),रथ्यः, वाजिन् (पुं0), हयः

घोषणा करना – घुष् (10 उ 0)

च

चकवा – चक्रवाकः

चकोतरा (फल) – मधुकर्कटी (स्त्री0), मधुजम्बीरम्

चक्कर खाना – परि + वृत् (1 आ)

चचेरा भाई – पितृव्यपुत्रः

चटकनी – कीलः

चटनी – अवलेहः

चट्टान – शिला

चढ़ाव – आरोहः

चतुर – विदग्धः(वि0), दक्षः

चना – चणकः

चन्द्रमा – सुधांशुः (पुं0), विधुः (पुं0)सोमः

चपत – चपेटः

चपरासी – लेखहारकः, प्रेष्यः

चप्पल- पादुका, पादुः (स्त्री0)

चबूतरा – स्थण्डिलम्, चत्वरम्

चबूतरा , धर से बाहर का – अलिन्दः

चमकना – भास् (1 आ 0), द्युत् (1 आ 0)
दिव् (4 प 0)

चमचम (मिठाई) – चमनम्

चमवा – देर्वी (स्त्री0)

चमार - चर्मकारः

चमेली – मालती (स्त्री0)

चम्पा – चम्पकः

चम्मच – चमसः

चरना – चर् (1 प 0)

चर्बी – वसा

चर्वी,हड्डी की – मज्जा

चलना – चल् (1 प 0), प्र + वृत् (1 आ 0)

चलाना – संचालय (णिच्)

चाँदनी – कौमुदी (स्त्री0), ज्योत्स्ना

चॉक, लिखने की – कठिनी (स्त्री0)

चाकू – छुरिका, लवित्रम्

चाचा – पितृव्यः

चाची – पितृव्या

चाट – आवदंशः

चातक – चातकः

चादर – प्रच्छदः

चान्सलर – कुलपतिः(पुं0)

चापलूसी – स्नेहभणितम्

चाबुक – तोत्त्रम्

चाय – चायम्

चारों ओर मुड़ने वाली कुर्सी – पर्पः

चारों वर्ण – चातुर्वर्ण्यम्

चावल – व्रीहिः (पुं0)

चावल,भूसी-रहित – तण्डुलः

चाहना – ईह् (1 आ 0), वाञ्छ् (2 प 0), काङ्क्ष् (2 प0)

चिड़िया – पत्रिन् (पुं0),चदका

चित्त – चेतस् (न0), चित्तम् , स्वान्तम्

चित्रकार – चित्रकारः

चिमटा – संदंशः

चिरचिटा –(ओषधि)- अपामार्गः

चिरौंजी – प्रियालम्

चिलमची – हस्तधावनी (स्त्री0), पतद्ग्रहा

चिह्न – अङ्कः, लक्ष्मन् (न0)

चीड़ (वृक्ष) – भद्रदारुः (पु0), सरलः

चीनी – सिता

चीफ मिनिस्टर – मुख्यमन्त्रि

चीरना – छिद् (7 उ 0)

चील – चिल्लः

चुङ्गी – शुल्कः, शुल्कशाला

चुङ्गी का अध्यक्ष – शौल्किकः

चुगना – चि (५ उ 0)

चुगलखोर – द्विजिह्वः

चुनना – चि (५ उ 0) अव + चि (५ उ 0)

चुन्नी (ओढ़नी) – प्रच्छदपटः

चुन्नी (रत्न)-माणिक्यम्

चुप (चुप्पी) – जोषम् (अ0)

चुराना – मुष् (९ प 0) , चुर् (10 उ 0)

चुँकि – ननु (अ0) , यतोहि (अ0)

चूड़ी – काचवलयम्

चूल्हा – चुल्लिः (स्त्री0), चुल्ली (स्त्री0)

चेचक – शीतला

चेष्टा करना – चेष्ट् (1 आ 0)

चोंच – तञ्चुः (स्त्रो0), चञ्चूः (स्त्री0)

चोट – क्षतम्

चोट मारना – तड् (10 उ 0)

चोटी – शिखा, सानुः (पुं0, न0) , शृङ्गम्

चोर – तस्करः, चौरः, स्तेनः, पाटच्चरः

चौक – चतुष्पथः, शृङ्गाटकम्

चौकन्ना – प्रत्युत्पन्नमतिः (वि0)

चौमंजिला – चतुर्भूमिकः

चौराहा – चतुष्पथः, शृङ्गाटकम्

छ

छज्जा – वलभिः (स्त्री0), वलभी (स्त्री0)

छत – छदिः(स्त्री0)

छाता (छत्र) – आतपत्रम्

छाती – वक्षस् (न0), उरस् (न0)

छात्र – छात्रः, अध्येनृ (पं0), विद्यार्थिन् (पुं0)

छात्रा – अध्येत्री (स्त्री0), छात्रा

छानना – स्त्रावय (णिच्)

छिपकली – गृहगोधिका

छिप जाना – तिरो + भू (1 प 0)

छिपना – ली (4 आ 0) , नि + ली (4 आ 0), अन्तर + धा (३ उ 0)

छीलना – शो (4 प 0) , त्वक्ष् (.....)

छीला हुआ – त्वष्टभ (वि 0)

छुट्टी – विसृष्टिः (स्त्री0), अवकाशः

छुहारा – क्षुधाहरम्

छेद करना – छिद्र् (10 उ 0)

छेनी – वृश्चनः

छोटा भाई – अनुजः

छोड़ना – त्यज् (1प 0), मुच् (6 उ 0), हा (3 प 0) , अस् (4 प 0) , अप + अस् (4 प 0) , उज्झ् (6 प 0)

छोड़ा हुआ – प्रत्याख्यातः, परित्यक्तः (वि0)

ज

जंगली चावल – श्यामाकः (साँवा)

जंघा – ऊरुः (पुं0)

जंजीर – शृङ्खला

जंवाई – जामातृ (पुं0)

जड़ – मूलम्

जड़ से – मूलतः

जन्म लेना – प्रादुर् + भू ((1 प 0)

जबतक ... तबतक – यावत् ... तावत् (अ0)

जरा – तावत् (अ0)

जर्मन सिल्वर – चन्द्रलौहम्

जल – तोयम् , अम्बु (न0), वारि (न0) , नीरम्

जलकण – शीकरः

जलतरंग (बाजा) – जलतरङ्गः

जलना – ज्वल् (1 प 0) , इन्धु (7 आ 0)

जलपान – जलपानम्

जल-सेनापति – नौसेनाध्यक्षः

जलाना – दह् (1 प 0)

जलूस – जनयात्रा , जनोधः

जलेबी – कुण्डली (स्त्री0)

जवाकुसुम (फूल) – जवाकुसुमम् , जवापुष्पम्

जस्त – यशदम्

जहाज, पानी का – पोतः

जहाज (.....) व्योमयानम् , विमानम्

जागना- .....

जादूगर – मायाकारः, ऐन्द्रजालिकः, मायाविन् (....)

जानना – ज्ञा (९ उ 0), अव + गम् (1 प 0) अधि + गम् (1 प 0)

जाननेवाला – अभिज्ञाः

जाना – गम् (1 प 0) , इ (2 प 0) या (2 प 0)

जामुन – जम्बुः (स्त्री0), जम्बूः (स्त्री0)

जार, काँच का – काचघटी (स्त्री0)

जाल – वागुरा , जालम्

जिगर – यकृत्

जितेन्द्रिय – दान्तः

जिद – निर्बन्धः

जिल्द – प्रावरणम्

जीजा (बहनोई) – आपुत्तः, भगिनीपतिः (पु0)

जीतना – जि (1 प 0), वि + जि (1 आ 0)

जीभ – रसना, जिह्वा

जीरा – जीरकः

जीविका – वृत्तिः (स्त्री0), जीविका

जुकाम – प्रतिश्यायः

जुती हुई भूमि – सीता

जुलाहा – तन्तुवायः

जुवारी – द्यूतकारः

जूड़े की जाली – वेणीजालम्

जूता (बूट) – उपानह् (स्त्री0)

जूता सीने की सूई – चर्मप्रभेदिका

जूही (फूल) – यूथिका

जेब काटना – ग्रन्थि + भिद् (7 उ 0)

जेल – कारा, कारागारम्, वन्दिगृहम्

जैसी ... वैसा – यथा .... तथा (अ 0)

जोड़ना – सं + योजय (णिच्)

जोतना – कृष् (1 प 0 , 6 उ 0)

जौ – यवः

ज्ञात – अवगतम्

ज्योंही ..... त्योंही – यावत् ... तावत् (अ0)

ज्योति – ज्योतिष् (न0), रोचिष् (न0)

ज्वार – यवनालः

झ

झगड़ा – कलहः

झगड़ालू – कलंहप्रियः, कलहकामः

झरना – प्रपातः

झाड़ी – कुञ्जः, निकुञ्ज

झाड़ू – मार्जनो (स्त्री0)

झील – सरसी (स्त्री0)

झील, बड़ी – हदः

झुकना – नम् (1 प 0), अवनम्, प्रणम्

झुकाना – अवनमय (णिच्)

झोंपड़ी – उटजः, पर्णशाला, कुटीरः

ट

टकसाल – टङ्कशालः

टकसाल का अध्यक्ष –टङ्कशालाध्यक्षः

टखना (पैर की हड्डी) – गुल्फः

टमाटर – रक्ताङ्गः

टब (पानी का) – द्रोणिः (स्त्री0) द्रोणी (स्त्री0)

टाइप करना – टङ्क् (10 उ 0)

टाइप-राइटर – टङ्कनयन्त्रम्

टाइफाइड- संनिपातज्वरः

टाइम टेबुल – समय-सारणी (स्त्री 0)

टॉफी – गुल्यः

टिण्डा – टिण्डिशः

टिकुली (बेंदी) – ललाटाभरणम्

टिड्डी – शलभः

टीयर गैस – धूमास्त्रम् , अश्रुधूमः

टी (चाय) – चायम्

टी0 बी0 (तपैदिक) – राजयक्ष्मन (पुं0) राजयक्ष्मः

टीका (मंगलार्थ) – ललाटिका

टीन – त्रपु (न0)

टीन की चद्दर – त्रपुभलकम्

टी पॉट – चायपात्रम्

टी पार्टी (चाय- पीनी) – सपीतिः (स्त्री0)

टूटा हुआ – भुग्नम् (वि0)

टूथ पाउडर – दन्तजूर्णम्

टूथपेस्ट – दन्तपिष्टकम्

टेनिस का खेल – प्रक्षिप्तकन्दुकक्रीडा

टेलर (दर्जी) – सौचिकवतिका

टैंक (हौज) आहावः

टैक्स – करः

टोस्ट – भृष्टापूपः

ट्रेक्टर – खनियन्त्रम्

ठ

ठगना – वञ्च् (10 आ 0) , अभि + सं + घा (3 उ 0)

ठीक (सत्य) – परमार्थतः, परसार्थेन, तत्त्वतः (अ0)

ठीक धटना –उप + पद् (4 आ 0)

ठूकराना – वि + हन् (2 प 0)

ठोकना (कील आदि) – कील् (1 प 0)

ड

डंठल – वृन्तम्

डँसना – दंश् (1 प 0)

डंडी मारना – कूटमानं + कृ (8 उ 0)

डबल रोटी – अभ्यूषः

डस्टर- मार्जकः

डाँटना – भर्त्स् (10 आ 0)

डाइनिंग टेबुल – भोजनफलकम्

डाइनिंग रूम – भोजनगृहन्

डाइरेक्टर (एजुकेशन) –शिक्षामंचालकः

डाएबिटीज़ – मधुमेहः, मधुप्रमेहः

डाक गाड़ी – द्राक्यानम्

डाकू – पाटच्चरः लुण्टाकः, परिपन्धन् (पुं0)

डाकटर – भिषग्वरः

डालना – नि + क्षिप् (6 उ 0) , पातय (णिच्)

डिनार पार्टी – सहभोजः, सन्धिः (स्त्री0)

डिप्टी डाइरेक्टर (शिक्षा) – अपशिक्षा संचालकः

डूबना – मस्ज् (6 प 0)

डेस्क – लेखनपीठम्

ड्राइंग रूम – उपवेशगृहम्

ड्राईक्लीनर – निर्णेजकः

ढ

ढकना – सं + वृ (५ उ 0)

ढका हुआ – प्रच्छन्नः (वि0)

ढाक – पलाशः

ढिंढोरा – डिण्डिमः

ढीठ – धृष्टः

ढूँढना – अन्विष् (अनु + इस् 4 प 0) गवेष् (10 उ 0)

ढेला – लोष्टम्

ढाल – पठह

ढोलक – ढौलकः

त

तई (जलेबी आदि पकाने की) – पिष्टपचनम्

तकिया – उपधानम्, उपबर्हः

तट – तटः, कूलम्

ततैया (भिरड़) – वरटा

तन्दूर, (रोटी पकाने का) – कन्दुः (स्त्री0)

तपाना – तप् (1 प 0)

तपैदिक – राजयक्ष्मः, राजयक्ष्मन् (पुं0)

तबतक – तावत् (अ0)

तबला – मुरजः

तरंग – वीचिः (स्त्री0) ऊर्मिः (स्त्री0)

तरङ्गः

तरबूज – कालिन्दम्, तर्बुजम्

तराई – उपत्यका

तराजू – तुला

तवा – ऋजीषम्

तसला - धिषणा (स्त्री0)

तहमद (लुंगी) – प्रापृतम्

तश्तरी – शरावः

ताँबा – ताम्रकम्

ताँबे के बर्तन बनानेवाला – शौल्विकः

ताड़ – तालः

तानपूरा (बाजा) – तानपूरः

तारा – तारा, ज्योतिष (न0)

तालाब – सरस् (न0), तडागः

ताहरी (पुलाव) – पुलाकः

तिजौरी – लौहमञ्जूषा

तिपाई – त्रिपादिका

तिमंजिला (मकान) – त्रिभूमिकः

तिरस्कार – आवज्ञा

तिरस्कार होना – तिरस् + कृ (कर्म 0)

तिरस्कृत – विप्रकृतः, तिरस्कृतः

तिरस्कृत करना – परि + भू (1 प 0) , तिरस् + कृ (8 उ 0)

तिल – तिलः

तिलक – तिल्कम्

तिल्ली – प्लीहा

तीव्र – तीक्ष्णम् (वि0)

तीव्र – स्वर – तारः

तीसरा पहर – अपराह्नः

तुच्छता – अर्किंचित्करत्वम्

तुरही (बाजी) - .....र्यम्

तूणीर – तूणीरः

तूतिथा- तुत्थाञ्जनम्

तृप्त करना – तर्पय (णिच्)

तृप्त होना – तृप् (4 प 0 , 10 उ 0)

तेंदुआ – तरक्षुः (पुं0)

तेज – तीव्रम्, शातम् (तीक्ष्ण)

तेज (ओज) – तेजस् (न0)

तेज (तीक्ष्ण) करना –तिज् (1 आ 0)

तेली – तैलकारः

तैरना – तॄ(1 प 0) , सं + तॄ (1 प 0)

तैयार – निष्पन्नम् , संपन्नम्, सज्जः

तैयार होना - सं + पद् (4 आ 0) , सं + नह् (4 उ 0)

तो – तु , तावत् , ततः (अ0)

तोड़ना – त्रुट (10 आ 0) , मिद् (8 उ 0), भञ्ज् (7 प 0) , खण्ड् (10 उ 0)

तोता – शुकः, कीरः

तोप – शतघ्नी (स्त्री0)

तोरई – जालिनी (स्त्री0)

तोल – तोलः

तोलना – तोलनम्

तोलना – तुल् (10 उ 0)

त्यक्त – उज्झितम्, त्यक्तम्, उत्सृष्टम्

त्वचा – त्वच् (स्त्री0) , त्वजा

थ

थाना - रक्षिस्थानम्

थाली – थालिका, स्थालिका

थूकना – ष्ठीव् (1 प 0 , 4 प 0)

थोड़ी देर – मुहुर्तम् (अ0)

द

दक्षिण , दिशा – दक्षिणा

दक्षिण की ओर – दक्षिणा, दक्षिणतः

दक्षिणायन – दक्षिणायनम्

दग्ध (जला हुआ) –प्लुष्टम् (वि0)

दण्ड देना – दण्ड् (10 उ 0)

दबाना – अभि + भू (1 प 0) , दम् (4 प 0) , धृष् (10 उ 0)

दया – अनुक्रोशः , दया

दया करना – दय् (1 आ 0)

दराँती – तात्रम्

दरी – आस्तरंणम्

दर्जी – सौचिकः

दर्रा – दरी (स्त्री0)

दलाल – शुल्काजीवः

दलाली – शुल्कम्

दस्त – अतिसारः

दस्त, आँवयुक्त – आमातिसारः

दस्त, खून-यूक्त- रक्तातिसारः

दस्ता (कागज का) – दस्तकः

दहीबड़ा – दधिवटकः

दाँत – रदनः, दन्तः, दशनः

दाढ़ी – कूर्चम्

दातून – दन्तधावनम्

दादी – पितासही (स्त्री0)

दाना – कणः

दानी – वदान्यः, दानिन् (पुं0)

दाल – द्विदलम्, सूपः

दालमोठ – दालमुद्गः

दिन – अहन् (न0) , दिनम्, दिवसः

दिन में – दिवा (अ0)

दिन रात – नक्तन्दिवम्, अहोरात्रम् , रात्रिन्दिवम्

दिशा – काष्ठा, दिश् (स्त्री0) , ककुभ् (स्त्री0) , आशा, दिशा

दीक्षा देना – दीक्ष (1 आ 0)

दीन – दुर्गतः, दीनः (वि0)

दीवार – भित्तिः (स्त्री0)

दुःख देना पीड् (10 उ 0) , तुद् (6 उ 0)

दुःखित हृदय – विमनस् (पुं0) , विषण्णः

दुःखित होना – विषद् (वि + सद् 1 प 0) , व्यथ् (1 आ 0)

दुःखी होना – वि + पद् (4 आ 0)

दुतई (दुहरी चादर) – द्वितयी (स्त्री0)

दुपहरिया (फूल) – बन्धूकः

दुमंजिला (मकान) – द्विभूमिकः (वि0)

दुराचारी – दुराचारः, दुर्वृत्तः (वि0)

दुलारा – दुर्ललितः (वि0)

दुहराना – आवृत्तिः (स्त्री0) , पुनरावृत्तिः (स्त्री0)

दूकान – आपणः

दूकानदार – आपणिकः

दूत – चरः, दूतः

दूध – पयस् (न 0) , क्षीरम् , दुग्धम्

दूर – दूरम्, आरात (अ0)

दूषित होना – दुष् (4 प 0)

देखना – दृश् (1 प 0) , ईक्ष् (1 आ 0), अवेक्ष, प्रेक्ष् , समीक्ष् (1 आ 0)

अव + लोक् (10 उ 0)

देना – दानम् , वितरणम् , विश्राणनम्

देना – दा (3 उ 0), वि + तृ (1 प 0)

उप + नी (1 उ 0)

देर करना – कालहरणम् , विलम्बः

देवता – सुरः, निर्जरः, देवः, त्रिदशः, अमरः

देवदार – देवदारुः (पुं0)

देवर – देवरः

देवरानी – यातृ (स्त्री0)

देहली (द्वार की) – देहली (स्त्री0)

दो-तीन – द्वित्राः (वि0)

दोनों प्रकार से – उभयथा (अ0)

दोपहर – मध्याह्नः

दोपहर के बाद का समय – (p.m.) – अपराह्नः

दोपहर से पहले का समय – (a.m.)- पूर्वाह्णः

दो प्रकार से – द्विधा (अ0)

दोष लगाना – कुत्स् (10 आ0)

द्रोह करना – द्रुह् (4 प 0)

द्वार – द्वारम् , प्रतीहारः

द्वारपाल – प्रतीहारः, प्रतीहारी (स्त्री0)

ध

धड़ – कबन्धः

धतूरा – धत्तूरः

धन – धनम् , वित्तम्, द्रविणम् , संपद् (स्त्री0)

धनिया – धान्यकम्

धर्मार्थ यात्रादि – इष्टापूर्तम्

धनुर्धर – धन्विन् (पुं0), धनुर्धरः

धनुष – कार्मुकम्, इष्वासः, कोदण्डम्, चापः

धमकाना – तेर्ज् (10 आ 0)

धागा – सूत्रम् , तन्तुः, (पुं0)

धान (भूसीसहित) – धान्यकम्

धार रखने वाला – शस्त्रमार्जः

धारण करना – धृ (1 उ 0 , 10 उ 0)

धार रखना - तीक्ष्णय (णिच्), शान् (1 उ 0)

धुर्मुश (कंकड़ आदि कूटने का) – कोटिशः

धूप – आतपः

धूल – रजस् (न0), पांसुः (पु0), धूलिः (स्त्री0), रेणुः (पुं0)

धोखा – कैतवम्

धोखा देना – वञ्....(10 आ 0) , वि + प्र + लभ् (1 आ 0)

धोती – अधोवस्त्रन् , धौतवस्त्रम्

धोना – धाव् (1 उ 0) , प्र + क्षल् (10 उ 0) , निज् (3 उ 0)

धोबिन – रजकी (स्त्री0)

धोबी – रजकः, निर्णजकः

धोंकनी - भस्त्रा

ध्यान देना – अव + धा (3 उ 0)

ध्यान रखना – अपेक्ष (अप + ईक्ष 1 आ 0)

ध्यान से देखना – निरीक्ष (1 आ 0)

न

नक्षत्र – नक्षत्रम्

नगद – मूल्येन (तृतीया)

नगर – पत्तनम् , नगरम्,पुरम्

नगांड़ा – दुन्दुभिः (पुं0, स्त्री0)

नदी – आपगा, सरित् (स्त्री0), निम्नगा, स्रवन्ती

ननँद – ननान्द् (स्त्री0)

नपुंसक – कीबम्, नपुंसकम् (- कः)

नफीरी (बीन बाजा) – वीणावाद्यम्

नमक – लवणम्

नमक, साँभर – रोभकम्, रौमकम्

नमक, सेंधा – सैन्धवम्, सैन्धवः

नमकीन (अन्न) लवणान्नम्
नमकीन सेव – सूत्रकः
नम्र – विनीतः, नम्रः (वि0)
नलाई – (खेत की सफाई) – क्षेत्रपरिष्कारः
नवग्रह – नवग्रहाः
नष्ट होना – नश् (4 प 0) , ध्वंस् (1 अ 0) , उत् + सद् (1 प 0)
नस – शिरा
नाइट डेस – नक्तकम्
नाइलोन का (वस्त्र)- नवलीनकम्
नाई – नापितः
नाक – घ्राणम् , नासिका, नासा
नाक का फूल – नासापुष्पम्
नाचना – नृत् (4 प 0)
नाड़ी – नाड़िः (स्त्री0), नाडी (स्त्री0)
नातिन – नप्त्री (स्त्री0)
नाती – नप्तृ 0(पुं0)
नाना – मातामहः
नानी – मातामही (स्त्री0)
नापना – मा (2 प 0 , 3 आ 0)
नारंगी – नारङ्गम्
नारियल – नीरिकेलः (वृक्ष), नारिकेलम् (फल)
नाला (पहाड़ी) – निर्झरः, प्रणालः
नाली – प्रणालिका नाली (स्त्री 0) , निलिः (स्त्री0)
नाव – नौः (स्त्री0) , नौका
नाबिक – कर्णधारः, नाविकः
नाशपाती – अमृतफलम्
नाश्ता – कल्यवर्तः, प्रातराशः
निःसंकोच – विस्रब्धम्, विश्रब्धम्, निःशङ्कम्
निकलना – निः + सृ (1 प 0), प्र + भू (1 प 0), उद् + भू (1 प 0) , निर् + गम् (1 प 0), उद् + गम् (1 प 0)
निकालना – निःसारय(णिच्)
निगलना – नि + गृ (6 प 0)
निचोड़ना – सु (५ उ 0)
निन्दा करना – निन्द् (1 प 0) , अधि + क्षिप् (6 उ 0)
निन्दित – अवगीतः, विगीतः, निन्दितः
निब – लेखनामुखम्
निमोनिया – प्रलापकज्वरः
नियम – नियमः
निरन्तर – अभीक्ष्णम् , अजस्रम् , अनवरतम्
निरपराध – अनागस् (पुं0) , निरपराधः
निर्णय करना – निर् + णी (1 उ 0)
निर्भय – निर्भयम , नष्टाशङ्कः
निर्यात (एक्सपोर्ट) – निर्यातः
निर्यात पर शूल्क – निर्यातशुल्कम्
निवाड़ – निवारः
निशान लगाना - चिह्न (10 उ 0)
निश्चय करना – मिश्च (निस् +चि उ 0)
निंश्चय से – नूनम् , खलु ,वै, नाम (अ 0)
नीच – निकृष्टः, अधमः, अपकृष्टः,अपसदः
नीबू – जम्बीरम्
नीबू, कागजी – जम्बीरकम्
नीबू, बिजौरा – बीजपूरः
नीम – निम्बः
नील – नीली (स्त्री0)
नीलकण्ठ (पक्षी) – चाषः
नीलम (मणि) - इन्द्रनीलः
नील लगाना – नीली + कृ (8 उ 0)
नेट (जाल) – जालम्
नेत्र – लोचनम् , नेत्रम् , चक्षुष् (न 0)
नेल कटर –वखनिकृन्तनम्
नेल पालिश – नखरञ्जनम्
नेवारी (फूल) – नवमालिका
नोट – नाणकम्
नौकर – कर्मकरः, भृत्यः, किंकरः
नौका, छोटी – उडुपः
नौरस – नव रसाः
न्योता देना – नि + मन्त्र् (10 आ 0)

प

पकवान – पकवान्नम्
पकाना पच (1 उ 0)
पका हुआ – पक्वम्
पकौड़ी – पक्ववटिका
परवल (साग) – पटोलः
पटरा (खेत बराबर करने का) – लोष्ठभेदनः
पट्टी – पट्टिका
पठार – अधित्यका
पड़ना – पत् (1 प 0) , नि + पत् (1 प 0)
पढ़ाना – पाठय (णिच्), अध्यापय (णिच)
पतंगा – शलभः
पतला – अपचितः, तनुः (वि0), कृशः
पताका – वैजयन्ती (स्त्री0), पताका
पतीली स्थाली (स्त्री0)
पत्ता – पर्णम् , पत्रम्
पत्थर – ग्रावन् (पुं0), अश्मन् (पुं0), उपलः
पत्रलेखा (सजाना) – पत्रलेखा
पद्मसमूह – नलिनी (स्त्री0)
पनडुब्बी – जलान्तरितपोतः
पनवारी (पानवाला) – ताम्बूलिक ,
पन्ना (रत्न) – मरकतम्
पपड़ी (मिठाई)
परकोटा – प्राकारः
परवाह करना – ईक्ष् (1 आ 0) , प्र + ईक्ष् (1 आ 0)
परौंठा – पूपिका
पराग – मकरन्दः, परागः
परा (फूँस) – पलालः
परीक्षा करना – परीक्ष् (परि + ईक्ष् 1 आ 0)
परोसना – परि + वेषय (णिच्)
पर्वत – अन्द्रिः (पुं0) गिरिः (पुं0) , भूभृत् (पुं0)
पलंग – पल्यङ्कः
पलक – पक्ष्मन् (न0)
पवित्र – पूतम् , पवित्रम् , पावनम् (वि0)

पश्चिम – प्रतीची (स्त्री0)

पश्चिम की ओर – प्रत्यक् (अ0)

पहनना – परि + धा (3 उ 0)

पहलवान – मल्लः

पहुँचना – आ + सद् (1 प 0), प्र + आप् (५ प 0)

पहुँचाना प्रापय (णिच्)

पहुँची (गहना) – कटकः

पाँच –छः – पञ्चषः

पाउडर – चूर्णकम्

पाकड़ (वृक्ष) – प्लक्षः

पाखण्डी – पाषण्डिन् (पुं0)

पाजेब (गहना) – नूपुरम्

पाठशाला – पाधशाला

पाठ्यपुस्तक – पाठ्यपुस्तकम्

पान – ताम्बुलम्

पानदान – ताम्बूलकरङ्कः

पाना – आप् (५ प 0) , प्र + आप (५ प 0) , प्रति + पद् (4 आ 0), विद् (6 उ 0), समधि + गम् (1 प 0)

पानी का जहाज – पोतः

पापड़ – पर्पटः

पायजामा – पादयामः

पार करना – त (1 प 0), उत् + तॄ (1 प 0) , निस् + नॄ (1 प 0)

पारा – पारदः

पार्क – पुरोद्यानम्, पुरोपवनम्

पार्वती – शर्वणी (स्त्री0) , गौरी (स्त्री0), भवानी (स्त्री0)

पालक (साग) – पालकी (स्त्री0)

पालन करना –भुज्, (7 प 0) , तन्त्र् (10 आ 0), पा (2 प 0) , पालय (णिच्)

पालिश – पादु रञ्जनम् पादुरञ्जकः

पास जाना – अप + गम् (1 प 0) , अप + सद् (1 प 0)

पासा (जूए का) –अक्षाः (बहु0)

पाहुन (अतिथि)- प्राघुणः, अभ्यागतः

पिघलाना – द्रावय (णिच्)

पिघला हुआ – द्रुतम्, गलितम्, द्रवीभूतम्

पिलाना – पायय (पा + णिच्)

पियानो (बाजा) – तत्रीकवाद्यम्

पिस्ता – अङ्कोटम्

पिस्तौल – लघुभुशुण्डिः (स्त्री0), गुलिकास्त्रम्

पीछा करना – अनु + पत् (1 प 0)

पीछे पीछे – अनुपदम् (अ0)

पीठ - पृष्टम्

पीतल – पीतलम्

पीपल – अश्वत्थः

पीपर (ओषधि) – पिप्पली (स्त्री0)

पीलिया (रोग) – पाण्डुः (पुं0)

पीसना – पिष (7 प 0)

पुखराज (रत्न) – पुष्परागः, पष्पराजः

पुताई वाला – लेपकः

पुत्र – आत्मजः, सूनुः (पुं0), तनयः, अपत्यम्

पुत्रवधू – स्नुषा

पुलाव – पुलाकः

पुष्ट करना – पुष् (4 प 0)

पुष्पमाला – स्रज् (स्त्री0)

पूँजी – मूलधनम्

पूआ – पूपः

पूजा – सपर्या , अर्चा, अर्हणा, अपचितिः (स्त्री0)

पूजा करना – अर्च् (1 प 0) , पूज् (10 उ 0)

पूज्य – प्रतीक्ष्यः, पूज्यः

पूरा करना - पॄ (3 प 0, 10 उ 0)

पूरी – पूलिका

पूर्णिमा – राका, पूर्णमा

पूर्व – प्राची (स्त्री0)

पूर्व की ओर – प्राक् (अ0)

पृथिवी – वसुधा , अवनिः (स्त्री0), भूः(स्त्री0)

पेचिश – प्रवाहिका, आमातिसारः

पेट – कुक्षिः (पुं0), उदरम् , जठरः

पेटीकोट – अन्तरीयम्

पेटू – औदरिकः, कुक्षिभरिः (पुं0)

पेठे की मिठाई – कौष्माण्डम्

पेड़ा (मिठाई) – पिण्डः

पेन्टर – चित्रकारः

पेन्सिल – तुलिका

पेस्टरी – पिष्टान्नम्

पैदल चलने वाला – पदातिः (पुं0)

पैदल सेना – पदातिः

पौदा होना – अद् + भू (1 प 0), अत् + पद् (4 आ 0)

पैन्ट – आप्रपदीनम्

पैर – पाद

पैरेलिसिस (लकवा0) – पक्षाघातः

पोंछना – मार्जय (णिच्)

पोतना – लिप् (6 उ 0)

पोता – पौत्रः

पोती – पौत्री (स्त्री0)

पोर्टिको (बरामदा) – प्रकोष्ठः

पोस्ता – पौष्टिकम्

प्याऊ – प्रपा

प्याज – पलाण्डुः (पुं0, न 0)

प्याल (फल) – प्रियालम्

प्याला – चषकः

प्रकट होना – आविर् + भू (1 प 0)

प्रचार होना – प्र + चर् (1 प 0)

प्रणाम करना – प्र + णम् (1 प 0) वन्द्, (1 आ 0)

प्रतिज्ञा करना – प्रति + ज्ञा (९ आ 0)

प्रतीत होना – आ + पत्(1 प 0)

प्रतीक्षा करना – प्रतीक्ष (1 आ 0) अपेक्ष् (1 आ 0)

प्रमेह – प्रमेहः

प्रसन्न चित्त – प्रसन्नः, हृष्टमानसः

प्रसन्न होना – प्र + सद् (1 प 0) , मुद् (1 आ 0)

प्रसिद्ध – प्रसिद्धः, प्रथितः विश्रुतः

प्रस्तुत करना – प्र + स्तु (2 उ 0)

प्रस्थान करना – प्र + स्था (1 आ 0)

प्राइम मिनिस्टर - प्रधानमन्त्रिन् (पुं0)

प्राण – प्राणाः, असवः (असु , बहु 0)

प्रातः – प्रातः (अ0), प्रत्यूषः

प्राप्त किया – आसादितम् , प्राप्तम् , लब्धम्

प्राप्त करना – प्राप् (५ प0) , लभ् (1 आ 0)

प्रारम्भ करना – आ + रभ् (1 आ 0)

प्रार्थना करना – प्र + अर्थ् (10 आ 0)

प्रिन्सिपल – आचार्यः , आचार्य (स्त्री0)

प्रेम करना – स्निह् (4 प 0)

प्रेरणा देना – प्र + ईर् (10 उ 0)

प्रेरित - ईरितम् , प्रेरितम्

प्रोफेसर – प्राध्यापकः

प्रौढ – प्रौढः, प्रौढम् (वि0)

प्लास्टर – प्रलेपः

प्लेट – शरावः

फ

फड़कना – स्पन्द् (1 आ 0) , स्फुर (6 प 0)

फर्नीचर – उपस्करः

फर्श – कुट्टिमम्

फल मिलना – वि + तुल् (10 उ 0)

फहराना – उत् + तुल् (10 उ 0)

फाइल – पत्रसंचयिनी (स्त्री0)

फाउन्टेन पेन – धारालेखनी (स्त्री0)

फालसा (फल) – पुं नागम्

फावड़ा – खनित्रम्

फासफोरस – भास्वरम्

फिटकिरी – स्फटिका

फीस – शुल्कः

फुंसी – पिटिका

फुटबॉल – पादकन्दुकः, - कम्

फुफेरा भाई – पैतृष्वस्रीयः

फुलका (रोटी) – पूपला

फूँकना – ध्मा (1 प 0)

फूँस – तृणम्

फूआ – पितृष्वसृ (स्त्री0)

फूल (धातु) – कांस्यम्

फुल – प्रसूनम् , कुसुमम् , युष्पम् , सुमनस् (स्त्री0)

फेंकना – अस् (4 प 0) , क्षिप् (6 उ 0)

फेफड़ा – फुप्फुसम्

फेरना – आवर्ति (णिच्)

फैक्टरी – शिल्पशाला

फैलना – प्रथ् (1 आ 0)

फैलाना – कृ (6 प 0) , तन् (8 उ 0)

फोड़ा – पिटकः

फौजी आदमी – सैनिकः

फलु (इन्फलुएंज़ा) – शीतज्वरः

ब

बँटखरा (बाट) – तुलामानम्

बकरा – अजः

बकवाद करना - प्र + लप् (1 प 0)

बगुला – बकः

ब..... का पार्क – बालोद्यानम्

बछड़ा – वस्तः

बजे – वादनम्

बड़ (वृक्ष) – न्यग्रोधः

बढ़हल – (फल)-लकुचम्

बढ़ा भाई – अग्रजः

बढ़ई – त्वष्टृ (पुं0)

बढ़कर – अति (अ0)

बढ़ना – एध् (1 आ 0), उप + चि (५ उ 0)

बतक- वर्तकः

बताशा – बाताशः

बथुआ (साग) – वास्तुकम् , वास्तूकम्

बदमाश – जाल्मः, पापः, रेफः

बदलना – परि + णम् (1 उ 0)

बधाई देना – दिष्ट्या वृध् (1 आ 0)

बना ठना – स्वलंकृतः, सुभूषितः

बनाना – सृज् (6 प 0) , रच् (10 उ 0)

बनावटी – कृत्रिमम्, कृतकम् (वि0)

बन्द करना – अपि (पि) + धा (3 उ 0)

बन्दर – शाखामृगः , कपिः (पुं0)

बन्दूक – भुशुण्डिः (स्त्री0), भुशुण्डी (स्त्री0)

बबूल (वृक्ष) – करीरः

बम - आग्नेयास्त्रम्

बम फेंकना – आग्नेयास्त्रम् + क्षिप (6 उ 0)

बराबर करना – ससी + कृ (8 उ 0)

बरबरी करना – प्र + भू (1 प 0)

बरामदा – परण्डः

बछी – शल्यम्

बर्ताव करना – वृत् (1 आ 0)

बर्दी – सैन्यवेषः

बर्फ – अवश्यायः, हिमम्, तुषार

बर्फी (मिठाई) – हैमी (स्त्री0)

बर्मा (औजार) – प्राविधः

बवासीर – अर्शस (न0)

बस – अलम् (अ0), कृतम् (अ0), खलु (अ0)

बसूला – तक्षणी (स्त्री0)

बस्ता – वेष्टनम् , प्रसेवः

बस्ती – आवासस्थानम्

बहना – वह् (1 उ 0) , स्यन्द् (1 आ 0)

बहाना – अपदेशः, व्यपदेशः

बहाना करना अप + दिश् (6 उ 0)

बहिन – स्वसृ (स्त्री0), भगिनी (स्त्री0)

बही – वणिक्पत्रिका

बहुमूत्र – मधुमेहः

बहेड़ा (ओषधि) – विभीतकः

बहेलिया – शाकुनिकः, व्याधः

बाँझ (वृक्ष) – सिन्दूरः

बाँधना – बन्ध् (९प0), पश् (10 उ 0)

बाँसुरी – मुरली (स्त्री 0), वंशी (स्त्री0)

बाँह – बाहुः (पुं0), भुजः

बाज (पक्षी) – श्येनः

बाजरा (अन्न) – प्रियङ्गुः (पुं0)

बाजार – विपणिः (स्त्री0), विपणी (स्त्री0)

बाजूबन्द (गहना) केयूरम्

बाट (तोलने के) – तुलामानम्

बाड़ – वृतिः (स्त्री0)

बाण – विशिखः, शरः, बाणः

बाथरूम – स्नानागारम्

बाद में – पश्चात (अ0), अभीक्ष्णम् (अ0)

बादाम – वातादम्

बार बार – मुहुः (अ0), अभीक्ष्णम् (अ0)

बारी से (बारी बारी से) – पर्यायशः (अ0)

बारूद – अग्निचूर्णम्

पारे में – अन्तरेण, अधिकृत्य (अ0)

बाल – शिरोरुहः, केशः

बाल (अन्न की) – कणिशः, कणिशम्

बाल काटने की मशीन – कर्तनी (स्त्री0)

बालटी (बर्तन)- अदञ्चनम्

बालूशाही (मिठाई) मधुमण्ठः

बालों का काँटा – केशशूकः

बासमती चावल – अणुः (पुं0)

बाहर जाना (एक्सपोर्ट) – निर्यातः

बाहर जाना (एक्सपोर्ट) - निर्यातः

बाहर से आना (इम्पोर्ट)- आयातः

बिकवाना – विक्रापय (णिच्, पर0)

बिक्री – विक्रयः

बिगड़ना – दुष् (4 प 0)

विगुल (बाजा) – संज्ञाशंखः

बिच्छू - वृश्चिकः

बिजली - विद्यत् (स्त्री0), सौदामिनी (स्त्री0)

बिजली घर – विद्युद्गृहम्

बिताना – नी (1 आ 0) , यीपय (णिच्, उ 0)

बिदाई लेना – आ + मस्त्र (10 आ 0)

आ + प्रच्छ् (6 आ 0)

बिना- अन्तरेण (अ0), विना (अ0) , ऋते (अ0)

बिन्दी – बिन्दुः (पुं0)

बिल्ली – मार्जारी (स्त्री0)

बिसकुट – पिष्टकः

बिस्तर – शय्या

बींधना – व्यध् (4 प 0)

बीच में – अन्तरा , अन्तरे (अ0)

बीड़ी – तमाखुवीटिका

बीतना (समय) – गम् (1 प 0), अति + वृत् (1 आ 0)

बीन बाजा – वीणावाद्यम्

बुकरैक – पूस्तकाधानम्

बुखार – ज्वरः

बुनना – वे (1 उ 0)

बुरका – निचोलः

बुर्जो (अटारी) – अट्टः

बुलाक (गहना)- नासाभरणम्

बुलाना – आ + मन्त्र् (10 आ 0) , आ + ह्वे (1 उ 0)

बूरा (चीनी) – शर्करा, सिता

बेत – वेतसः

बेचना – वि + क्री (९ आ 0)

बेचनेवाला – विक्रेतृ (पुं0)

बेणी (गहना)- मूर्धाभरणम्

बेन्च – काष्टासनम्

बेर – बदरीफलम्, कर्कन्धुः (स्त्री0)

बेल – (फल) - ..ल्वम्, श्रीफलम्

बेला (फूल) – मल्लिका

बेसन – चणकचूर्णम्

बैंकिंग – कुसीदवृत्तिः (स्त्री0)

बैंड – बादित्रगणः

बैंगन – भण्टाकी (स्त्री0)

बैठना – सद् (1 प 0) , नि + सद् (1 प 0) , आस् (2 आ 0)

बैडमिन्टन - पत्रिक्रीडा

बैना (वायन) – पायनम्

बैल – उक्षन् (पुं0), अनुडुह् (पुं0), गो (पुं0)

बोना – वप् (1 उ 0)

बौर – वल्लरी (स्त्री0)

ब्रह्म – उद्गीथः, ब्रह्मान् (पुं0, न0)

ब्रह्म-वेधस् (पुं0), ब्रह्मन् (पुं0)

ब्राह्मण- द्विजः, द्विजातिः (पुं0), अग्रजन्मन् (पुं0)

ब्रुश - बर्तिका, रोममार्तनी (स्त्री0)

ब्रश, दाँत का – दन्तधावनम्

ब्रैसलेट (बाजूबन्द) – केयूरम्

ब्लड-प्रेसर (रोग) – रक्तचापः

ब्लाउज – कञ्चुलिका

ब्लाटिंग पेपर – मसीशोषः

ब्लेड (बाल बनाने का) – क्षुरकम्

ब्लैक बोर्ड – श्यामफलकम्

भ

भगीं – संमार्ज्नकः

भँवर – आवर्तः

भड़भूजा – भृष्टकारः, भ्राष्ट्रमिन्धः

भतीजा – भ्रात्रीयः, भ्रातृव्यः, भातृपुत्रः

भरना – पूर (10 उ 0)

भले ही – कामम् (अ0)

भाँटा – भण्टारीं (स्त्री0)

भाग्यवान् – सुकृतिन् (पुं0)

भाग्य से – दिव्ट्या (अ0)

भाड़ – भ्राष्ट्रम्

भान्जा (मानजा) – खस्त्रीयः, भागिनेयः

भाप – बाष्पम्

भाभी (भाई की स्त्री) – भ्रातृजांया

भारी – गुरुः (वि0)

भाला – प्रासः

भालू – भल्लूक

भाव (बाजार भाव) – अर्घः

भाव गिरना – अर्घापचितिः (स्त्री0)

भाव चढ़ना – अर्घोपचितिः(स्त्री0)

भावर (तराई) – उपत्यका

भिण्डी (साग) – भिण्डकः

भुस – बुसम्

भूख – बुभुक्षा , अशनाया

भूखा – बुभुक्षितः अशनायितः (वि0)

भूनना – भ्रस्ज् (6 उ 0)

भूलना – वि + स्मृ (1 प 0)

भूसी – तुषः

भू-सेनापति – भूसेनाध्यक्षः

भेजना – प्रेषय (णिच् , उ 0) , प्र + हि (५ प 0)

भेड़ – मेषः

भेड़िया – वृकः

भैंस – महिषी (स्त्री0)

भैंसा – महिषः

भोली भाली – मुग्धा

भौं – भ्रूः (स्त्री0)

भौंरा – पट्पदः, भ्रमरः, द्विरेफः, अलिः (पुं0)

म

मँगाना – आनायय (आनी + णिच्)

मंजन – दन्तचूर्णम्

मँजीरा – मंजीरम्

मंडप – मण्डपः

मंडी महाहट्टः

मकड़ी – तन्तुनाभः, लूता, ऊर्णनाभः

मकान – भवनम्, सौधः, प्रासादः, निलयः

मकोय (फल) – स्वर्णक्षीरी (स्त्री0)

मक्खन – नवनीतम्, हैयंवीनम्

मगर – मकरः, तक्रः

मछली – मीनः, मत्स्यः, झषः

मजदूर – श्रमिकः

मटर – कलायः

मट्ठा – तक्रम्

मथना – मन्थ् (९उ 0)

मधुमकखी – सरघा, मधुमक्षिका

मध्यम स्वर – मध्यः, मध्यस्वरः

मन – स्वान्तम् , हृद् (न 0), मनस् (न0), मानसम्

मन लगना – रम् (1 आ 0)

मनाना – अनु + नी (1 उ 0)

मनुष्य – नरः, द्विपादु (पुं0), मर्त्यः

मनोहर – मनोज्ञम्, मञ्जुलम्, हृधम् अभीष्टम्

मन्त्रणा करना – मन्त्र् (10 आ 0)

मन्त्री - अमात्यः, सचिवः, मन्त्रिन् (पुं0)

मन्दी (भाव की) – मन्दायनम्

मरना – मृ (6 आ 0) , अप + रम् (1 आ 0)

मरम्मत करना – सं + धा (3 उ 0)

मर्म – मर्मन् (न0)

मलाई – सन्तानिका

मलेरिया – विषमज्वरः

मशीन – यन्त्रम्

मसाला – व्यड्जनम् , अपस्करः

मसाला डालना – उपस्कृ (8 उ 0)

मसालेदार वस्तु – व्यञ्जनम्

मसूर – मसूरः

महँगा – महार्धम्

महल – प्रासादः, सौधः, हर्म्यम्

महावर – अलक्तकः

महुआ (पृक्ष) – मधूकः

माँजना – मृज् (2 प 0, 10 उ 0)

मांस – आभिषम्, मांसम्

माथा – ललाटम्

मानना – मन् (4 आ 0 , (8 आ 0), आ + स्था (1 आ 0)

मानसून – जलदागमः, प्रावृष् (ट)

मामा – मातुलः

मामी – मातुलानी (स्त्री0)

मारना – हन् (2 प 0), तड् (10 उ 0) , सो (4 प 0)

मार्ग – वर्त्मन् (न0), पथिन् (पुं0), मार्गः, सरणिः (स्त्री0)

मालपूआ – अपूपः

माली – मालाकारः

मिजाराब – (सितार बजाने का) – कोणः

मिट्टी – मृत्तिका, मृद् (स्त्री0), मृत्स्ना

मिठाई – मिष्टान्नम्

मित्रता – सख्यम्, सौहृदम्, सौहार्दम्, संगतम्

मिनट –कला

मिर्च –मरीचम्

मिल (फैक्टरी) – मिलः

मिलना – मिल् (6 उ 0), सं + गम् (1 आ 0)

मिलाना - - योजय (युज् + णिच्), सं + मिश्रय (णिच्)

मिस्त्री (कारीगर) – यान्त्रिकः

मिस्सा आटा – मिश्रचूर्णम्

मीठा – मधुरम् (वि0)

मीठी गोलि (टॉफी) – गुल्यः

मुँह – आननम, पदनम्, मुखम्, आस्यम्

मुकरना – अप + झा (९ आ 0)

मुकुट – मुकुटम्

मुख्य द्वार – गोपुरम्

मुख्य सड़क - राजमार्गः

मुट्ठी – मुष्टिः (पुं0 स्त्री0), मुष्टिका

मुनि – मुनिः (पुं0), वाचंयमः, दान्तः

मुनीम – लेखकः

मुरब्बा – मिष्टपाकः

मुसम्मी (फल)- मातुलुङ्गः

मुसाफिरखाना – पथिकालयः

मूँग – मुद्गः

मूँगरी (मिट्टी तोड़ने की) – लोष्टभेदनः

मूँगा (रत्न) – प्रवालम्

मूँछ – श्मश्रु (न0)

मूर्ख – वैधेयः बालिशः, मूढः

मूर्खता – जाड्यम्

मूली – मूलकम्

मूल्य – मुल्यम्

मूसलाधार वर्षा – आसारः

मृग – कुरङ्गः, हरिणः, मृगः

मृत – हतः, मृतः, अपरतः

मृत्यु – मृन्युः (पुं0), निधनम्

मेंढक – भेकः, दर्दुरः, मण्डूकः

मेंहदी – मेन्धिका

मेकेनिक (कारीगर) – यान्त्रिकः

मेघ – जीमूतः, वारिदः, बलाहकः

मेज – फलकम्

मेयर – निगमाध्यक्षः

मेवा – शुष्कफलम्

मैंडा (खेत बराबर करने का)- लोष्ट-भेदनः

मैच – क्रीडाप्रतियोगिता

मैना – सारिका

मोटा – उपचितः, पृथुः, गुरुः (वि0)

मोती – मुक्ता , मौक्तिकम्

मोती की माला – मुक्तावली (स्त्री0)

मोतीझरा (रोग) – मन्धरज्वरः

मोर – बर्हिन् (पुं0), शिखिन (पुं0) मयूरः

मोर्चाबन्दी करना – परिखया + वेष्टय (णिच्)

मोहनभोग (मिठाई) – मोहनभोग

मौका – कार्यकालम्

मौन – वाचंयमः, जोषम् (अ0)

मौलसरी (वृक्ष) – बकुलः

मौसी – मातृष्वसृ (स्त्री0)

मौसेरा भाई – मातृष्वस्त्रेयः

म्युनिसिपल चेयरमैन – नगराध्यक्षः

म्युनिसिपलिट - नगरपालिका

य

यज्ञ – अध्वरः, यज्ञः, क्रतुः (पुं0)

यज्ञ-कर्ता – यज्वन् (पुं0)

यत्न करना – यत् (1 आ 0), व्यव + सो (4 प 0)

यम कृतान्तः

यश – यशस् (न0), कीर्तिः (स्त्री0)

याद करना – स्म (1 प 0) , सं + ,मृ (1 प 0) , अधि + इ (2 प 0)

युद्ध – आहवः, आजिः (पुं0, स्त्री0) जन्यम्

यूनानी लिपि – यवनानी (स्त्री0)

युनिफार्म – एकपरिधानम्, एकवेषः

यूनिवर्सिटी – विश्वविद्यालयः

योग्य होना – अर्ह् (1 प 0)

योद्धा – योधः

र

रंगना – रञ्ज् (1 उ 0)

रंगबिरंगे – नानावर्णनि (बहु0, वि0)

रंगरेज – रञ्जकः

रकम – राशिः, धनराशिः (पुं0)

रक्षा करना – रक्ष् (1 प 0) , पाल् (10 उ 0), त्रै (1 आ 0) , पा (2 प 0)

रखना – नि + धा (3 उ 0)

रज – रजस् (न0)

रजाई – नीशारः

रजिम्टर – पञ्जिका

रजिस्ट्रार – प्रस्तोतृ (पुं0)

रणकुशल – सांयुगीनः

रथ – स्यन्दनम्

रबड़ – घर्षकः

रबड़ी (मिठाई) – कूर्चिका

रसोई – रसवती (स्त्री0), पाकशाला, महानसम्

रहना – स्था (1 प 0), वस् (1 प 0) , अधि + वस् , उप + वस् (1 प 0)

रांगा – त्रपु (न0)

राक्षस – असुरः, दैत्यः, दानवः

राज (मिस्त्री) – स्थपतिः (पुं0)

राजदूत – रांजदूतः

राजा – अवनिपतिः, भूपतिः, भूमृत् (तानों पुं0)

रात – विभावरी (स्त्री0), क्षपा, रात्रिः (स्त्री0)

रात में – नक्तम् (अ0)

रायता – राज्यक्तम्

रिवाज – प्रचलनम्, संप्रचलनम्

रीठा – फेनिलः

रीढ़ की हड्डी – पृष्टास्थि(न0)

रुकना – स्था (1 प 0) , वि + रम् (1 प 0) , अव + स्था (1 आ 0)

रूई – तूलः, तूलम्

रूज़ (गालीं की लाली)- कपोलरञ्जनम्

रेगिस्थान –मरुः (पुं0), धन्वन् (पुं0, न0)

रेट (भाव) – अर्घः

रेतीला किनारा – सैकतम्

रेफरी – निर्णायकः

रेशमी – कौशेयम्

रैकेट (खेलने का) – काष्टपरिष्करः)

रोकना – रुध् (7 उ 0)

रोग – रुज (स्त्री0), रोगः , आमयः

रोजनामचा (कैश-बुक, रोकड़ बही)- दैनिक-पञ्जिका

रोटी- रोटिका

रोना – रूद् (2 प 0) , वि + लप् (1 प 0)

ल

लंच (मध्याह्न भोजन) – सहभोजः, सग्धिः (स्त्री0)

लकवा मारना – पक्षाघातः

लकीर – रेखा

लक्ष्मी – लक्ष्मीः (स्त्री0), श्रीः (स्त्री0), पद्मा, कसला

लक्ष्य - लक्ष्यम्, शरव्यम्

लगना – प्र + वृत् (1 आ 0)

लगाना – नि + युज् (20 उ 0) , सं + धा (3 उ 0)

लच्छे (गहना) – पादाभरणम्

लज्जित – ह्नीणः (वि0)

लज्जित होना – त्रप् (1 आ 0) , लस्ज् (6 आ 0) , ह्नी (3 प 0)

लड़ने का इच्छुक – येद्धुकामः, कलहकामः

लड़ाई का जहाज (पानीकी) – युद्धपोतः

लड़ाई का विमान – युद्धविमानम्

लड्डू – मोदकः, मोकदम्

लता – व्रततिः (स्त्री0), पीरुध् (स्त्री0) लता

लपसी (जौ का हलुआ) – यवागूः (स्त्री0)

लस्सी (दही की) – दाधिकम्

लहसुन – लशुनम्

लहसुनिया (रत्न) – वैदूर्थम्

लाक्षारस – अलक्तकः, लाक्षारसः

लाख (धातु) – जतु (न0)

लाना – आ + नी (1 उ 0), हृ (1 उ 0) आ + हृ (1 उ 0)

लिए – कृते (अ0)

लिपस्टिक – ओष्टरञ्जनम्

लिफ्ट (मशीन) – उत्थापनयन्त्रम्

लिसोड़ा (वृक्ष) –श्लेष्मातकः

लीची – (फल) – लीचिका

लीपना – लिप् (6 उ 0)

लेखा बही – नामानुक्रमपञ्जिका

ले जाना – नी (1 उ 0) , हृ (1 उ 0) वह् (1 उ 0)

लेना – ग्रह् (९ उ 0), आ + दा (3 आ 0)

लेने वाला – ग्राहकः

लोई (ऊनी) – रल्लकः

लोकसभा – लोकसभा , संसद् (स्त्री0)

लोटा – करकः, गृध्नुः (पुं0)

लोभिया – वनमुद्गः

लोभी – लब्धः, कमण्डलुः (पुं0)

लोमड़ी – लोमशा

लोहा – अयस् (न0) , आयसम् , लौहम्

लोहा करना (वस्त्रों पर) – अयस् + कृ (8 उ 0)

लोहार – लौहकारः

लोहे का टोप – शिरस्त्रम्

लोहे की चादर – लौहफलकम्

लौंग – लवङ्गम्

लौकी – अलाबूः (स्त्री0)

लौटकर आना – आ + वृत् (1 आ 0)

प्रत्या + गम् (1 प 0)

लौटना – नि + वृत (1 आ 0) , परा + गम् (1 प 0)

व

वंचित – विप्रलब्धः

वंश – अन्वयः, अन्ववायः, वंशः

वकील – प्राडविवाकः

वचन- वचस् (न) , वचनम्

वज्र – पविः (पुं0) , वज्रम् , कुलिशम्, अशनिः (पुं0)

वन – काननम्, विपिनम्, वनम् , अरण्यम्

वरुण – प्रचेतस् (पुं0), पाशिन् (पुं0), वरुणः

वर्षा – वृष्टिः (स्त्री0), वर्षा

वर्षाकाल – प्रावृष (स्त्री0)

वस्तुतः – नूनम्, किल, खलु, वे, तावत (अ0)

वहाँ से – ततः (अ0)

वाइस चान्सलर – उपकुलपतिः (पुं0)

वाटर वर्क्स – उदयन्त्रम्

वाणी – सरस्वती, वाच् (स्त्री0), वाणी – (स्त्री0)

वायु – मातरिश्वन् (पुं0), पवनः, अविलः

वायुसेनापति – वायुसेनाध्यक्षः

वायोलिन (बाजा) – सारङ्गी (स्त्री0)

विचरण करना – वि + चर् (1 प 0)

विजयी - जिष्णुः (पुं0), विजयिन् (पुं0)

विद्युत् – सौदामिनी (स्त्री0), विद्युत् (स्त्री0)

विद्वान् – विद्वस् (पुं0), विपश्चित् (पुं0), सुधी (पुं0), कोविदः, बुधः, मनोषिन् (पुं0), सूरिः (पुं0), निष्णातः

विप़त्ति – विपत्तिः (स्त्री0), विपद् (स्त्री0), व्यसनम्

विमान – विमानम्

विवाह करना – परि + णो (1 उ 0), अप + यम् (1 आ 0)

विश्राम – विश्रमः, विश्रामः

विश्वास करना – वि + श्वस् (2 प 0)

विष्णु – हरिः, अच्युतः

विस्तृत – ततम् , विततम् , प्रसृतम्

वीर्य – शुक्रम्

वृक्ष – विटपिन् (पुं0), पादपः, अनोकहः, शाखिन् (पुं0)

वृद्ध – प्रवयस् (पुं0), वृद्धः

वेतन – वेतनम्

वेतन पर नियुक्त नौकर – वैतनिकः

वेदपाठी – श्रोत्रियः, वेदपाठिन् (पुं0)

वेदी – वेदिका, वेदी (स्त्री0)

वैश्य – वणिज् (पुं0), द्विजातिः (पुं0) अर्यः, वैश्यः

वाली-बॉल – क्षेपकन्दुकः

व्यक्त करना – वि + अञ्च् (7 प 0)

व्याघ्र – द्वीपिन् (पुं0), व्याघ्रः

व्यर्थ ही – वृथा (अ0) , मुधा (अ0)

व्यवहार करना – आ + चर् (1 प 0) , व्यव + हृ (1 उ 0)

व्यापार – वाणिज्यम्, व्यापारः

व्याप्त होना – व्याप् (वि + आप् ५ प 0) , अश् (५ आ 0)

श

शक्कर – शर्करा

शपथ लेना – शप् (1 उ 0)

शराबी – मद्यपः

शरीफा (फल) – सीताफलम्

शरीर – वपुष (न0) गात्रम् , तनुः (स्त्री0), कायः, विग्रह

शर्त – समयः

शलगम – श्वेतकन्दः

शस्त्र –प्रहरणम् , शस्त्रम्

शस्त्रागार - शस्त्रागरम् , आयुधागारम्

शस्य-श्यामल – शाद्वलः

शहतूत (फल)- तूनम्

शहद – मधु0 (न0)

शहनाई (बाजा) – तूर्यम्

शहर – वगरम्, पुरम्

शान्त – शान्तः (वि0)

शामियाना - चन्द्रातपः

शासन करना – शास् (2 प 0) , तन्त्र् (2 0 आ0)

शिकार खेलना – मृगया

शिकारी – मृगयुः (पुं0), आखेटकः, शाकुनिकः

शिक्षा देना – शास् (2 प 0) , शिक्ष् (1 आ 0)

शिर – शिरस् (न0), मूर्धन् (पुं0)

शिला – शिला, शिलापट्टः

शिल्पी – कारुः (पुं0), शिल्पिन् (पुं0)

शिल्पी संघ – श्रेणिः (पुं0, स्त्री0)

शिल्पी-सघ का अध्यक्ष – कुलकः

शिव – त्र्यम्बकः, त्रिपुरारिः, (पुं0)ईशानः

शिष्य – अन्तेवासिन् (पुं0), छात्रः , शिष्यः, वटुः (पुं0)

शीघ्र – सद्यः (अ0), सपदि (अ0), द्रतम् , शीघ्रम्

शीशम (वृक्ष) – शिशपा

शीशा – दर्पणः, मुकुरः, आदर्शः

शुद्ध करना – शोधय (णिच)

शूद्र – अन्त्यजः

शेर – केसरिन् (पुं0) सिहः, मृगेन्द्रः, हरिः (पुं0)

शेरवानी – प्रिवारकम्

शोभित होना – शुभ् (1 अ 0) , भा (2 प 0)

श्रद्धा करना – श्रद् + धा (3 उ 0)

स

संग्रहणी (पेचिश) – प्रवाहिका

संतरा – तारङ्गम्

संवाद करना – सं + वद् (1 आ 0)

संशय करना - सं+ शी (2 आ 0)

सज्जन – साधुः (पुं0), सुमनस् (पुं0) सचेतम् (पुं0)

सड़क – मार्गः, पथिन् (पुं0), सरणिः (स्त्री0)

सड़क, कच्ची – मृन्मार्गः

सड़क, चौड़ी – रथ्या

सड़क, पक्की – दृढमार्गः

सड़क,मुख्य – राजमार्गः

सत्य रूप में – परमार्थतः, परमार्थेन, यथार्थतः (अ0)

सदस्य – मभासत् (पुं0), सभ्यः, परिषदः

सदाचारी – सद्वृत्तः, सदाचारः

सदृश होनां – सं + वद् (1 प 0), अनु + हृ (1 आ 0)

सधवा स्त्री – पुरन्ध्रिः (स्त्री0)

सन्तुष्ट होना – तुष् (4 प 0)

सन्दूक – मञ्जूषा

संन्यासी – मस्करिन् (पुं0), परिव्राजकः, यतिः (पुं0)

सप्ताह – सप्ताहः

सफेद बाल – पलितम्

सभा – सभा, समितिः (स्त्री0), परिषद् (स्त्री0)

सभागृह – आस्थानम्

समधिन – सम्बन्धिनी (स्त्री0)

समधी – सम्बन्धिन् (पुं0)

समर्थ – प्रभविष्णुः (पुं0), प्रभुः (पुं0), समर्थः, शक्तः

समर्थ होना – प्र + भू (1 प 0)

समय –वेला, कालः, समयः

समाचार – वार्ता, प्रवृत्तिः(स्त्री0), उदन्तः

समाप्त – अवसितः

समाप्त होना – सम् + आप (5 प 0).

अव + सो (4 प 0)

समीक्षा करना – सम + ईक्ष (1 आ 0)

समीप – उप, अनु , अभि, आरात् (अ0)

समीप आना – प्रत्या + सद् (1 प 0),

अप + या (2 प 0)

समीपता – संनिधानम्, सामीप्यम्

समुद्र – अर्णवः, अब्धि (पुं0), रत्नाकरः

समुद्री व्यापारी – सांयात्रिकः

समूह – संहतिः (स्त्री0), बन्धुः

समोसा – समोषः

सम्बन्धी –ज्ञातिः (स्त्री0)

सरकिर – सर्वकारः, शासनम्, प्रशासनम्

सरसों – सर्षपः

सर्ज (वृक्ष) – सर्जः

सर्वथा – एकान्ततः, सर्वथा, नित्यम् (अ0)

सलवार – स्वूतवर

सलाद – शदः

सस्ता – अल्पार्धम्

सहना – सह् (1 आ 0)

सहपांठी – सतीर्थ्यः, सहाध्येतृ (पुं0) सहपाठिन् (पुं0)

सहभोज – सन्धिः (स्त्री0), सहभोजः

सहाध्यायी – सतीर्थ्यः

सहारा देना – अव + लम्ब् (1 आ 0)

सहृदय – सहृदयः, सचेतस् (पुं0)

सांग वेदज्ञ – अनूचानः

सांप – द्विजिह्वः, उरगः, भुजंगः

सांभर नमक – रौमकम्

साक्षी – साक्षिन् (पुं0)

साग – शाकः, शाकम्

साड़ी – शाटिका

सात स्वर – सप्त स्वराः

साथ – सह, साकम् , सार्धम्, सांनिध्यम्

साथी – सहाध्यायिन् (पुं0)

साफ करना – मृज् (2 प 0 , 10 उ 0), प्र + क्षल् (10 उ 0)

साबुन – फेनिलम्

सामग्री – हविष् (न0), संथारः, उपकरणम्

सामान – पण्यः

सारंगी (बाजा) – सारङ्गी (स्त्री0)

सारस – सारसः

साल का पेड़ – सालः

साँवा (जंगली धान) – श्यामाकः

सास पेन (डेगची) – उखा

साहूकार – कुसीदिकः , कुसीदिन् (पुं0)

साहूकारा – कुसीदवृत्तिः (स्त्री0), कुसीदम्

सिंगरदान – शृङ्गारधानम्, शृङ्गारपिटकम्

सिंघाड़ा – शृङ्गाटकम्

सिक्का – मुद्रा

सिक्का ढालना – टङ्कनम्, टङ्क् (10 उ 0)

सिगरेट – तमाखुवतिका

सितार – वीणा

सिद्ध होना – सिध् (4 प 0)

सिन्दूर – सिन्दूरम्

सिपाही – रक्षिन् (पुं0)

सिफलिस (गर्मी, रोग) - उपदंशः

सिलाई – स्यूतिः (स्त्री0)

सिलाई की मशीन – स्यूतियन्त्रम्

सिला हुआ – स्यूतम्

सींचना – सिच् (6 उ 0)

सीखना – शिक्ष् (1 आ 0)

सीखने वाला – गृहीतिन् (पुं0), अधीतिन् (पुं0)

सीढ़ी (लकड़ी की) – निःश्रेणो (स्त्री0)

सीना – सिव् (4 प 0)

सीमेन्ट – अश्मचूर्णम्

सीसा (धातु) – सीसम्

सुख – शर्मन् (न0), सुखम्

सुनार – पश्यनोहरः, स्वर्णकारः

सुन्दर – रुचिरम् , मनोज्ञम् , मञ्जुलम्

सुपारी – पूगम् , पृगीफलम्

सुराविक्रेता – शौण्डिकः

सुराही – भृङ्गारः

सूअर – शूकरः, वराहः

सूई – सूचिका

सूखना – शुष् (4 प 0)

सूत – सूत्रम्

सूती – कार्पासम्

सूद – कुसीदम्

सूर्य – सप्तसप्तिः (पुं0)हरिदश्वः

सूर्यास्त समय – प्रदोषः, गोधूलिवेला, सायम्

सेधा नमक – सैन्धवम्

सेंह (पशु) – शल्यः

सेकण्ड – विकला

सेक्रेटरी – सचिवः

सेना – चमूः (स्त्री0), पृतना, वाहिनी (स्त्री0)

सेनापति – सेनापतिः (पुं0), सेनानीः (पुं0)

सेफ (तिजौरी) – लौहमञ्जूषा

सेफ्टी रेज़र – उपक्षेरम्

सेम – सिम्बा

सेमर (वृक्ष) – शाल्मलिः (पुं0)

सेल्स टैक्स – विक्रयकरः

सेव (फल)- सेवम् , आताफलम्

सेवई – सूत्रिका

सेवा करना – सेव् (1 आ 0), उप + चर् (1 प 0)

सोंठ – शुण्ठी (स्त्री0)

सोचना – चिन्त् (10 उ 0), विचारय (णिच्)

सोता (स्त्रोत) – उत्सः

सोना – कार्तस्वरम्, जातरूपम्, चामीकरम्

सोना – स्वप (2 प 0), शी (2 आ 0)

सोफा - पर्यङ्कः

सौंफ – मधुरा

सौदा (सामाव) – पण्यः

सौ रुपये – शातम्

स्कूल – विद्यालयः

स्कूल इन्सपेक्टर – विद्यालयनिरीक्षकः

स्टुल – संवेशः

स्टेनलेस स्टील – निष्कलङ्कायसम्

स्टेशम – यानावतारः

स्टोव - उद्ध्मानम्

स्त्री – योपित (स्त्री0), कलत्रम् (न0), दाग (पुं0)

स्थान – धामन् (न 0)

स्नातक – समावृत्तः, स्नातकः

स्नो – हैभम्

स्पर्धा करना – स्पर्ध (1 आ 0)

स्मरण करना – स्मृ (1 प 0), अधि + इ (2 प 0)

स्लेट – अश्मपट्टिका

स्वच्छ होना – प्र + सद (1 प 0)

स्वभाव – सर्गः, निसर्गः, प्रकृतिः (स्त्री0)

स्वभाव से सुन्दर – अव्यानमनोहरम्

स्वर्ग – नाकः, त्रिदिवः, त्रिविष्टपम्

स्वर्ण – कार्तस्वरम्, जातरूपम्, हिरण्यम्

स्वागतार्थ जाना – प्रत्युद् + गम् (1 प 0)

स्वामी – प्रभविष्णुः (पुं0), प्रभुः, स्वामिन् (पुं0)

स्वीकार करना – ऊरी + कृ (8 उ 0)

अररी + कृ (8 उ 0)

स्वेच्छाचारी – स्वैरः , स्वैरिन् (पुं0)

कामवृत्तिः (स्त्री0)

स्वेटर – ऊर्णवरकम्

ह

हंस – मरालः

हंसी – वरटा

हँसी करना – परि + हस् (1 प 0)

हँसुली (गहना) – ग्रैवेयकम्

हटना – अप + सृ (1 प 0), या (2 प 0) , वि0 + रम् (1 प 0)

हटाना – व्यप + नी (1 उ 0) , अप + सारय (णिच्)

हथौढ़ी – अयोघनः

हरताल – पीतकम्

हराना – परा + भू (1 प 0), परा + जि (1 आ 0)

हर्र – हरीतकी (स्त्री0)

हल – लङ्गलम् , हलम्, सीरः

हल करना (प्रश्नादि)- साधय (णिच्)

हलवाई – कान्दविकः

हलुआ – लप्सिका

हलका – लघुः (वि0)

हल्दी – हरिद्रा

हवन करना – हु (3 प 0)

हाँ – आम्, तथा , अथ किम् (अ0)

हाइड्रोजन बम – जलपरमाणवस्त्रम्

हॉकी का खेल – यष्टिक्रीडा

हाथ का तोड़ा (गहना) – त्रोटकम्

हाथीवान – हस्तिपकः

हार, मोती का – हारः

हार, एक लड़ का – एकावली (स्त्री0)

हारना – परा + जि (1 आ 0)

हारमोनियम (बाजा) – मनोहारिवाद्यम्

हारसिंगार (फूल) – शोफालिका

हॉल – महाकक्ष

हिंसा करना – हिस् (7 प 0), हन् (2 प 0)

हिम - अवश्यायः, हिमम्

हिसाब – संख्यानम्

हींग – सिङ्गुः (पुं0, न0)

हीरा – हीरकः

हृदय – हृदयम्, स्वान्तम्, मानसम्

हुक्का – धुम्रनलिका

हैजा – विषूचिका

होठ – ओष्ठः

होठ, नीचे का – अधरः, अधरोष्ठः

होना – भू (९ प 0), अस् (2 प 0), विद् (4 आ 0) , वृत् (1 आ 0)

हौज - आहावः